

M.S.B
कक्षा : 10
हिन्दी – 2017

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 80

सूचनाएँ :

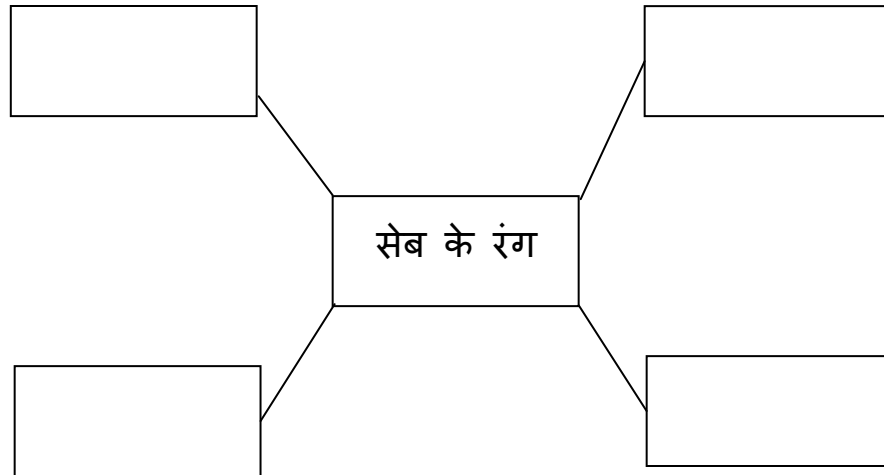
- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
- (2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
- (3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
- (4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

20

1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

8



हिमालय की बर्फीली चोटियों की छाँव में फूल, फल, झरने और बँगलों वाले कूर्माचल का नाम लेते ही मेरी आँखों के आगे रामगढ़ की एक शाम धुँधली तस्वीर की तरह खिंच जाती है। एक बहुत ऊँची, वनाच्छादित पर्वतश्रृंखला के इस बाजू में मीलों लंबा एक फूलों का बगीचा है। सुनहले, हरे, पीले, सिंदूरी और गुलाबी सेबों से लदे हुए पेड़ों की कतारें पार कर हम उस बँगले में जा पहुँचे हैं जिसमें महाकवि रवींद्रनाथ ठाकुर ने अपने

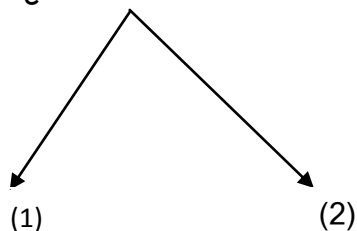
कूर्माचल प्रवास में कुछ दिन बिताए थे। बस की सड़क सैकड़ों फीट नीचे मटियाले साँप की तरह घाटियों और जंगलों में रेंगती-सरकती चली जा रही है, सड़क के भी सैकड़ों फीट नीचे तल्ली रामगढ़ के घरों की टीन वाली छतें दीख रही हैं और उनमें चलते-फिरते लोग चींटियों की तरह लग रहे हैं, उधर समरफोर्ड के पहाड़ पर एक सफेद बादल उड़ता हुआ आकर टिक गया हैं और धीरे-धीरे धनुषाकार होता हुआ जा रहा है। बँगले के सामने के लान में बेंत की खूबसूरत हरी कुरसियाँ डाल दी गई हैं और बगीचे के मैनेजर ने चाय बनवाकर मँगाई है।

(2) (i) घटनानुसार उचित क्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए : 1

- (1) लान में बेंत की खूबसूरत हरी कुरसियाँ डाल दी गई।
- (2) चलते-फिरते लोग चींटियों की तरह लग रहे हैं।
- (3) एक सफेद बादल उड़ता हुआ आकर टिक गया है।
- (4) मैनेजर ने चाय बनवाकर मँगाई है।

(ii) उत्तर लिखिए : 1

पर्वतश्रृंखला की विशेषताएँ



(3) (i) शब्दों के वचन बदलकर लिखिए :

(1) चींटियाँ

(2) सड़क

(ii) परिच्छेद में आए शब्दयुग्म लिखिए : 1

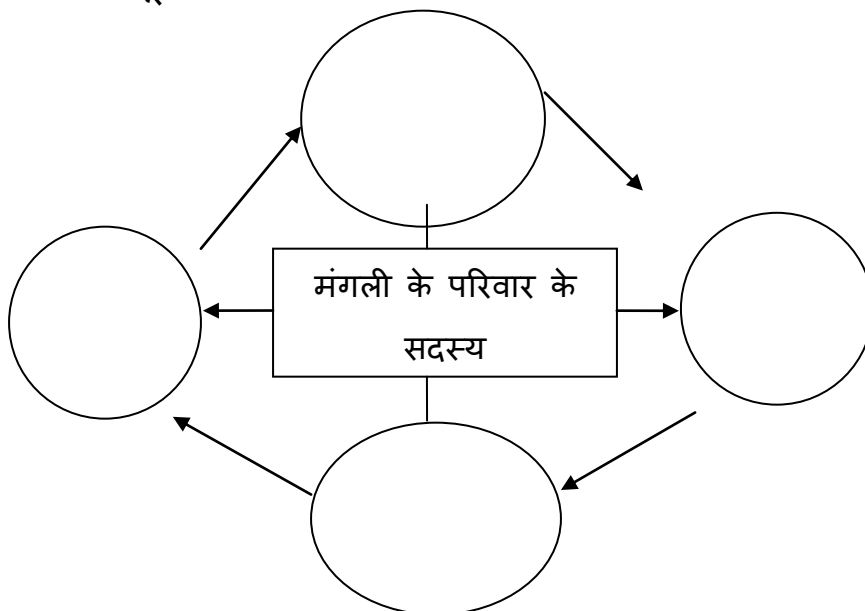
(1)

(2)

(4) अपने देखे हुए किसी प्राकृतिक दृश्य को लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए। 2

(ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 8

(1) संजाल पूर्ण कीजिए : 2



मंगली घर पहुँची और छोटे बेटे को बेतहाशा चूमने लगी। दो साल का होगा। उसे छह साल की बेटी सँभालती है। दस साल का बड़ा बेटा पिछले दिनों से होटल के एक ठेले पर काम करता है। पानी और चाय पहुँचाता है वह। वह अभी तक घर नहीं लौटा था। पहाड़ की तराई पर बसी यह झोपड़पट्टी बहुत घनी थी। उसने झट टीन का दरवाजा खींच लिया और ढिबरी जलाकर दोनों बच्चों को दुलारने लगी। थैली खोली तो उसमें काफी खाना था, परंतु इतना भी नहीं था कि पाँचों के लिए पूरा पड़े। फिर भी उसने थोड़ी मिठाईनुमा चीजें निकालकर अलग रख दीं, अपने आदमी और बड़े बेटे के लिए। कुछ पुलाव और रोटी-साग दोनों बच्चों को परोसा। ऐसी रोटी की गंध बच्चों को पहली बार करीब से मिल रही थी। उसे तो फिर भी कभी-कभी कुछ मिल जाता था होटल में, पर चीजें खराब हो जाने पर ही उस तक पहुँच पातीं।

(2) (i) निम्नलिखित विधानों के सामने सही या गलत लिखिए : 1

(1) छोटा बेटा होटल के एक ठेले पर पानी और चाय पहुँचाता है।

(2) मंगली ने पुलाव और रोटी-साग दोनों बच्चों को परोसा।

(ii) उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों :

1

(1) थैली :

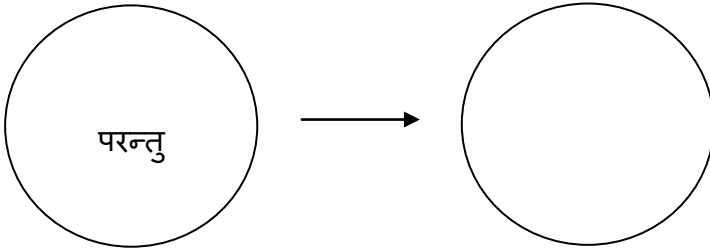
(2) मिठाईनुमा चीजें :

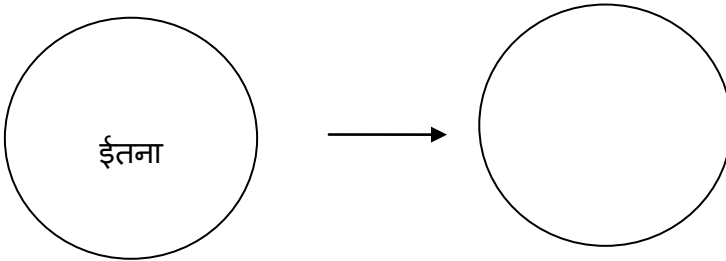
(3) (i) परिच्छेद में प्रयुक्त अंकों में से किसी एक अंक पर प्रचलित मुहावरा लिखिए :

1

(ii) मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लिखिए :

1

(1) 

(2) 

(4) 'समाज में स्थित गरीबी' दूर कराने के उपायों को लगभग 8 से 10 पंक्तियों में लिखिए।

2

(ग) (1) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

4

(i) उत्तर लिखिए :

1

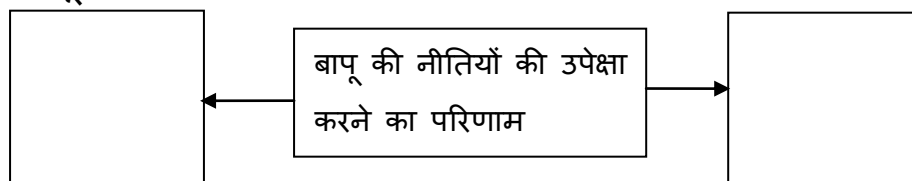
ऋषि-मुनियों की नज़र में चोर की परिभाषा।

(ii) उचित विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए :

महात्मा गांधी का समस्त जीवनदर्शन _____ था।
(अर्थ-सापेक्ष/श्रम-सापेक्ष/कर्म-सापेक्ष)

(3) आकृति पूर्ण कीजिए

1



महात्मा गांधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वे प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि-मुनियों ने कहा है - बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुतः चोर है। महात्मा गांधी का समस्त जीवनदर्शन श्रम-सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता है कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो रहा है और न अपराधों की वृद्धि हमारे वश की बात हो रही है।

(3) 'मनुष्य के जीवन में श्रम का महत्व' विषय पर अपने विचार 8 से 10 पंक्तियों में लिखिए।

2

विभाग 2 : पद्य

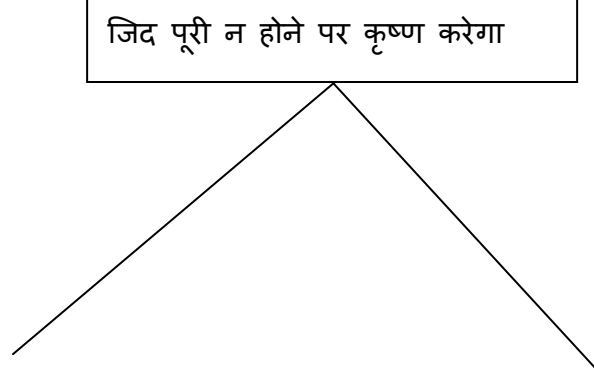
16

2. (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

8

(1) (i) उत्तर लिखिए :

1



(ii) पद्यांश में प्रयुक्त शरीर के दो अंगों के नाम :

1

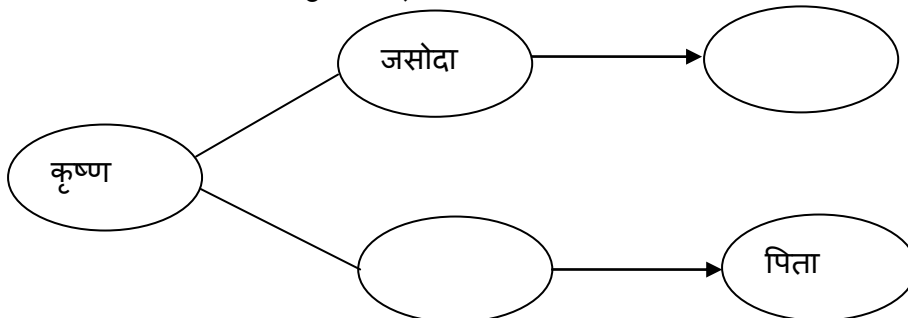
(1)

(2)

मैया मैं तो चंद खिलौना लैहों।
धौरी को पी पाँ न करिहों, बेनी सर न गुथैहों।
मोतिन माल न धरिहों उर पर झंगुली कंठ न लैहों।
जैहौ लोट अभी धरनी पर तेरी गोद न ऐहों।
लाल कहैहों नंदबाबा को तेरो सुत न कहैहों।
कान लाय कछु कहत जसोदा दाऊहिं नाहिं सुनैहों।
चंदा हूँ ते अति सुंदर तुझे नवल दुल्हैया ब्यैहों।
तेरी सौंह मेरी सुन मैया हों अब ही ब्याहन जैहों।
सूरदास सब सखा बराती नूतन मंगल गैहों।

(2) (i) संबंध पहचानकर कृति पूर्ण कीजिए :

1



(ii) सही शब्द चुनकर वाक्य फिर से लिखिए : 1

(1) जसोदा कृष्ण को दुल्हा/दुल्हन लाने की बात करती है।

(2) श्रीकृष्ण नंद बाबा के लाल / लाली कहलाएँगे।

(3) (i) शब्दों के लिंग पहचानिए :

(1) गोद

(2) सुत

(ii) क्रियाओं के सरल हिंदी में अर्थ लिखिए :

(1) न करिहों

(2) न ऐहों

(4) उपर्युक्त पद्यांश की पहली चार पंक्तियों का सरल हिंदी में भावार्थ लिखिए। 2

(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 8

(1) उत्तर लिखिए : 1

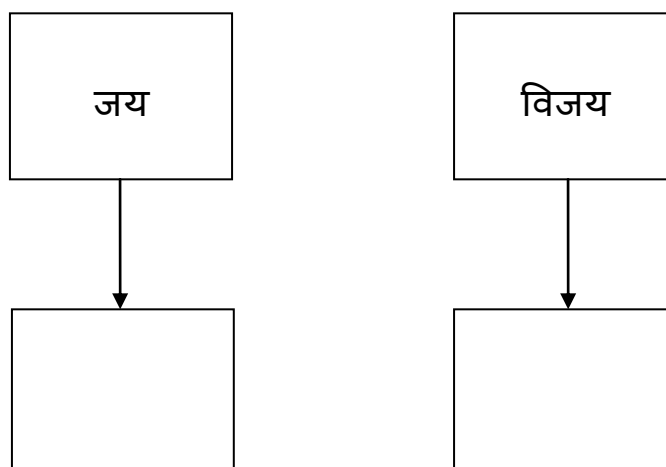
(i) देश की बालकों से माँग

(1)

(2)

(ii) कृति पूर्ण कीजिए : 1

जय, विजय लिखने के स्थान -



देश माँगता कि खून से रंगा गुलाब दो,
तुम उठो सिपाहियो ! शत्रु को जवाब दो,
झूम-झूमकर मलो युद्ध के गुलाल को
शूरवीर बालको !
थाम लो सँभालकर देश की मशाल को !
दूर तक जमीन पर शानदार जय लिखो,
तुम विशाल सिंधु पर खून से विजय लिखो,
तोड़ दो पिशाच के हरेक जाल को।

- (2) सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए : 2
- (i) कवि ने बालकों को थामने के लिए कहा है _____
(देश की ज्याला को / देश की ज्योत को / देश की मशाल को)
- (ii) अब पिशाच के जाले को तोड़ने की जिम्मेदारी _____
(शूरवीर बालकों की है / युवकों की है / कवि की है)
- (3) (i) पद्यांश में प्रयुक्त विरुद्ध अर्थ के शब्द लिखिए : 1
- (1) आसमान ×
- (2) लघु ×
- (ii) पद्यांश में आए विरामचिह्नों के नाम लिखिए : 1
- (1)
- (2)
- (4) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। 2

विभाग 3 : पूरक पठन

4

3. संजाल पूर्ण कीजिए :

2

	परिच्छेद में प्रयुक्त तुलसी के विविध नाम	

हिन्दुस्तान में तुलसीदास भी प्रसिद्ध हैं और तुलसी का बिरवा भी, बल्कि अगर यों कहें कि यहाँ जनजीवन में तुलसी का पौधा बहुत महत्त्वपूर्ण है तो अत्युक्ति न होगी। अधिकांश हिंदू घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है, जिसकी स्त्रियाँ पूजा करती हैं। ग्रामीण या आम भाषा में लोग इसे तुलसा भी कहते हैं। इसी तुलसी के संबंध में विशेष बात यह है कि हिंदू धर्म में ही नहीं, ईसाई धर्म में भी इसे बहुत पवित्र माना गया है। अंग्रेजी में इसे 'बेसिल' या 'सेक्रेड बेसिल' यानी पवित्र तुलसी कहते हैं। और इसीलिए पवित्रता का बोध कराने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक नामकरण में जो कि लैटिन भाषा में होता है, इसे 'ओसिमम सैक्टम' कहा गया है। अंग्रेजी का बेसिल शब्द ग्रीक भाषा के 'बसिलिकोन' शब्द से व्युत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ है राजसी।

(2) 'वन औषधि का महत्त्व' पर अपने विचार लिखिए।

2

विभाग 4 : व्याकरण

10

4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) (i) शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

½

सुसज्जित

(ii) अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए :

½

यह क्या गोल-माल है?

(2) वाक्य शुद्ध करके लिखिए :

1

आपका चिंता किस बात का है।

(3) सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए :

1

वाणी से मित्रता भी की जाती है।

(4) प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए :

1

भूलना

(5) (i) अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1

एकाएक

(ii) अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए :

1

उफ् ! कितनी संपन्न है यह दुनिया।

(6) काल परिवर्तन कीजिए :

2

विनायक बाबू कुर्सी पर बैठ जाते हैं।

(i) पूर्ण भूतकाल

(ii) सामान्य भविष्यकाल

(7) (i) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1

मन न लगना

(ii) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए : 1

(सिर झुकाए बैठना/ पैर पकड़ना)

रोजी ने अपनी गलती होने पर पिताजी से क्षमा याचना की।

विभाग 5 : रचना विभाग 30

सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

5. (1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए : 5

‘अवंतिका स्पोर्ट्स अँकडमी’, पंचवटी, नाशिक द्वारा आयोजित राज्य बॅडमिंटन प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु दिलीप/दीपा कुलकर्णी, शिवाजी रोड, पुणे - 400005 से व्यवस्थापक के नाम पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

सुमन/सुमंत राजे, प्रभात रोड, औरंगाबाद से मा. व्यवस्था पक, अजब बुक डिपो, नाशिक को पत्र लिखकर शालोपयोगी साहित्य की माँग करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए : 5

शेखर एक छोटा लड़का _____ माँ के साथ झोंपड़ी में रहना _____ बरसात के दिन _____ आँधी और तूफान आना _____ रेल की पटरी उखड़ जाना _____ शेखर की नजर में आना _____ रेलगाड़ी आने का समय होना _____ लाल कमीज पकड़कर पटरी पर खड़ा रहना _____ रेल रुकना _____ यात्रियों द्वारा भला-बुरा कहना _____ ड्रायवर का देखना _____ शेखर के कारण यात्रियों की जान बचना _____ राष्ट्रपति द्वारा स्वर्ण पदक।

- (3) गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हों :

5

ऐसा माना जाता है कि संगीत का प्रभाव औषधियों से कम नहीं है। एक शल्य-क्रिया के बाद किसी मरीज ने संगीत के चमत्कार का वर्णन किया। उसने बताया कि स्वास्थ्य लाभ करते समय, उसने संगीत खूब सुना। वह कभी-कभी इसमें इतना खो जाता था कि वह अपनी दर्द निवारक गोलियाँ लेना भूल जाता था। संगीत शांतिदायक तथा मधुर होना चाहिए। कई बच्चे जन्म से ही बात नहीं कर सकते अथवा ज्यादा हिल-डुल नहीं सकते। संगीत का इतना बड़ा प्रभाव है कि ये लोग बोलने लगे तथा संगीत की ताल पर उनके हाथ-पैर का हिलना-डोलना शुरू हुआ। इस तनावपूर्व दुनिया में संगीत के प्रभाव को नकार नहीं सकते।

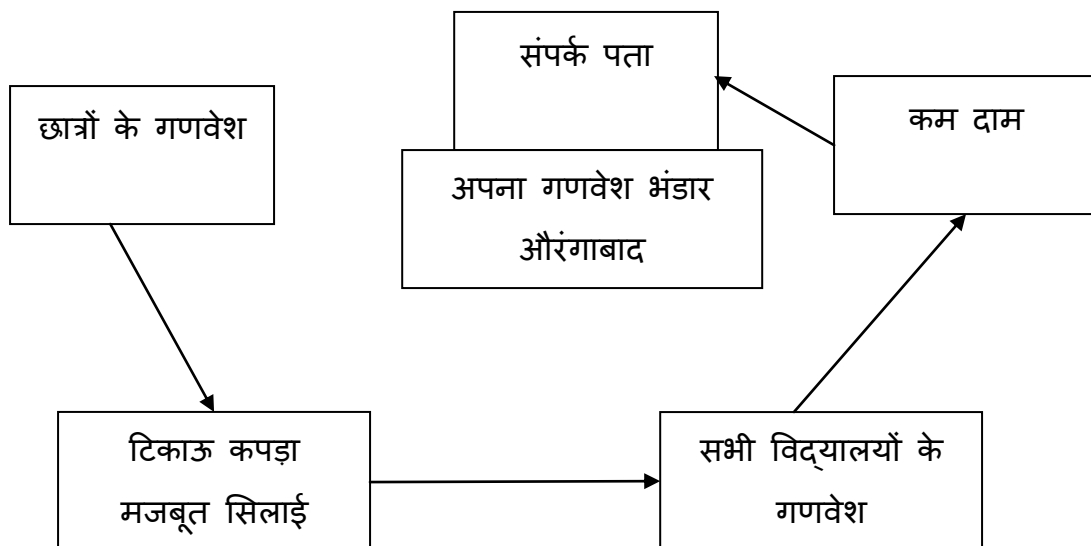
6. (1) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 60 से 80 शब्दों में प्रसंग लेखन कीजिए :

5

मैं एक दिन घूमते हुए नदी किनारे चला गया। वहाँ मैंने देखा कि कल-कारखानों से दूषित पानी छोड़ा जा रहा था, महिलाएँ कपड़े धो रही थीं, लोग गाड़ियाँ धो रहे थे, यह नदी की अवस्था मुझे दिखाई दी। ...

- (2) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :

5



(3) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए (लगभग 80 से 100 शब्दों में) : 5

(i) किसान की आत्मकथा

(ii) मनोरंजन के आधुनिक साधन।

M.S.B
कक्षा : 10
हिन्दी – 2017

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 80

सूचनाएँ :

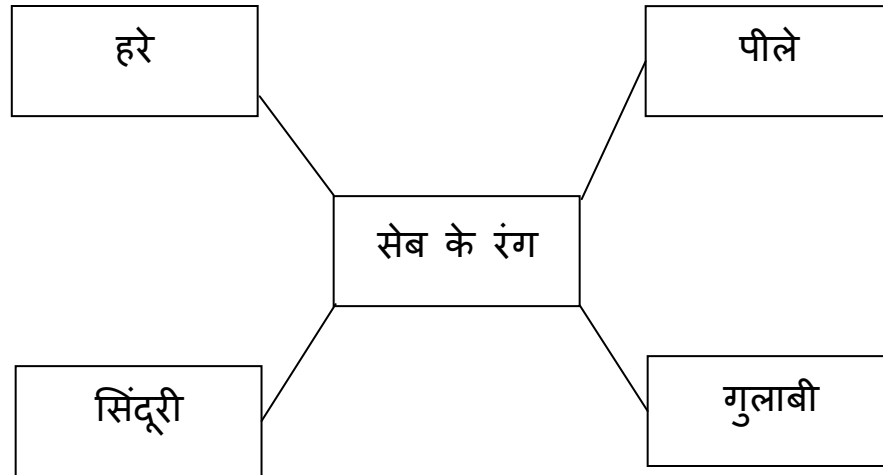
- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
- (2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
- (3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
- (4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

20

1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

8



हिमालय की बर्फीली चोटियों की छाँव में फूल, फल, झरने और बँगलों वाले कूर्माचल का नाम लेते ही मेरी आँखों के आगे रामगढ़ की एक शाम धुँधली तस्वीर की तरह खिंच जाती है। एक बहुत ऊँची, वनाच्छादित पर्वतश्रृंखला के इस बाजू में मीलों लंबा एक फूलों का बगीचा है। सुनहले, हरे, पीले, सिंदूरी और गुलाबी सेबों से लदे हुए पेड़ों की कतारें पार कर हम उस बँगले में जा पहुँचे हैं जिसमें महाकवि रवींद्रनाथ ठाकुर ने अपने

कूर्माचल प्रवास में कुछ दिन बिताए थे। बस की सड़क सैकड़ों फीट नीचे मटियाले साँप की तरह घाटियों और जंगलों में रेंगती-सरकती चली जा रही है, सड़क के भी सैकड़ों फीट नीचे तल्ली रामगढ़ के घरों की टीन वाली छतें दीख रही हैं और उनमें चलते-फिरते लोग चींटियों की तरह लग रहे हैं, उधर समरफोर्ड के पहाड़ पर एक सफेद बादल उड़ता हुआ आकर टिक गया हैं और धीरे-धीरे धनुषाकार होता हुआ जा रहा है। बँगले के सामने के लान में बेंत की खूबसूरत हरी कुरसियाँ डाल दी गई हैं और बगीचे के मैनेजर ने चाय बनवाकर मँगाई है।

(2) (i) घटनानुसार उचित क्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए :

1

- (1) लान में बेंत की खूबसूरत हरी कुरसियाँ डाल दी गई।
- (2) चलते-फिरते लोग चींटियों की तरह लग रहे हैं।
- (3) एक सफेद बादल उड़ता हुआ आकर टिक गया है।
- (4) मैनेजर ने चाय बनवाकर मँगाई है।

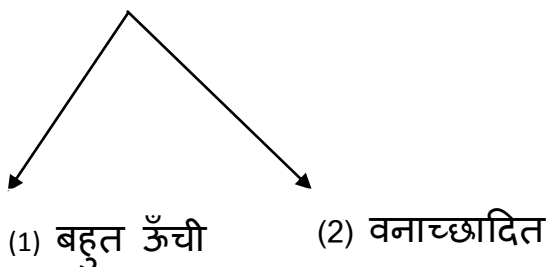
उत्तर :

- (1) चलते-फिरते लोग चींटियों की तरह लग रहे हैं।
- (2) एक सफेद बादल उड़ता हुआ आकर टिक गया है।
- (3) लान में बेंत की खूबसूरत हरी कुरसियाँ डाल दी गई।
- (4) मैनेजर ने चाय बनवाकर मँगाई है।

(ii) उत्तर लिखिए :

1

पर्वतश्रृंखला की विशेषताएँ



(3) (i) शब्दों के वचन बदलकर लिखिए :

(1) चीटियाँ

चींटी

(2) सड़क

सड़कें

(ii) परिच्छेद में आए शब्दयुग्म लिखिए :

1

(1) चलते-फिरते

(2) धीरे-धीरे

(4) अपने देखे हुए किसी प्राकृतिक दृश्य को लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए। 2

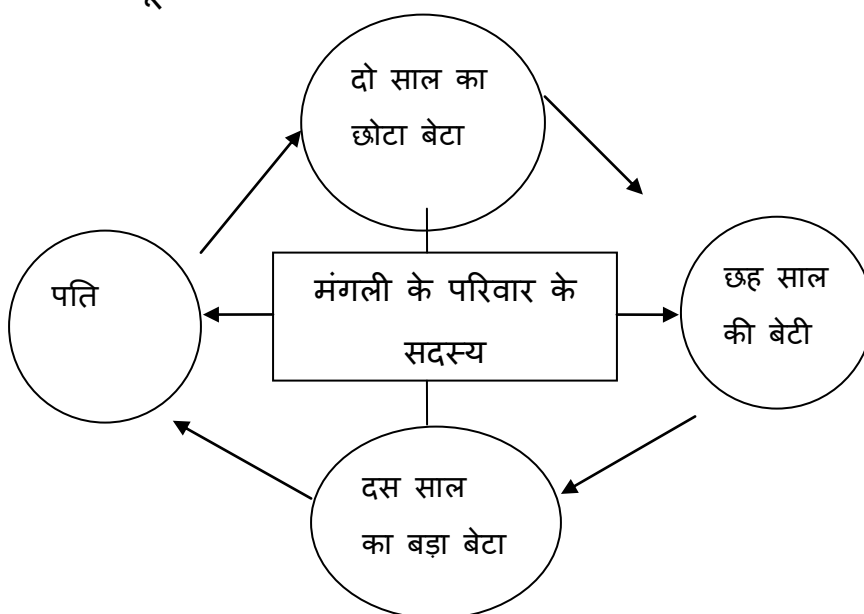
आज जब मैं सुबह की सैर के लिए निकला तो आसमान गुलाबी छटा से सराबोर था। वातावरण में ठंडक थी चारों ओर चिड़ियों की चहचाहट से वातावरण गुंजायमान हो रहा था। सूर्य अपनी सुनहरी आभा चारों ओर बिखेर रहा था। पेड़-पौधों पर रात में गिरी ओस मोती बनकर चमक रही थी। सारा वातावरण खुशनुमा हो रखा था।

(ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

8

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :

2



मंगली घर पहुँची और छोटे बेटे को बेतहाशा चूमने लगी। दो साल का होगा। उसे छह साल की बेटी सँभालती है। दस साल का बड़ा बेटा

पहुँचाता है वह। वह अभी तक घर नहीं लौटा था। पहाड़ की तराई पर बसी यह झोपड़पट्टी बहुत घनी थी। उसने झट टीन का दरवाजा खींच लिया और ढिबरी जलाकर दोनों बच्चों को दुलारने लगी। थैली खोली तो उसमें काफी खाना था, परंतु इतना भी नहीं था कि पाँचों के लिए पूरा पड़े। फिर भी उसने थोड़ी मिठाईनुमा चीजें निकालकर अलग रख दीं, अपने आदमी और बड़े बेटे के लिए। कुछ पुलाव और रोटी-साग दोनों बच्चों को परोसा। ऐसी रोटी की गंध बच्चों को पहली बार करीब से मिल रही थी। उसे तो फिर भी कभी-कभी कुछ मिल जाता था होटल में, पर चीजें खराब हो जाने पर ही उस तक पहुँच पातीं।

(2) (i) निम्नलिखित विधानों के सामने सही या गलत लिखिए : 1

(1) छोटा बेटा होटल के एक ठेले पर पानी और चाय पहुँचाता है। - गलत

(2) मंगली ने पुलाव और रोटी-साग दोनों बच्चों को परोसा। - सही

(ii) उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर

निम्नलिखित शब्द हों : 1

(1) थैली : खाना किसमें रखा था?

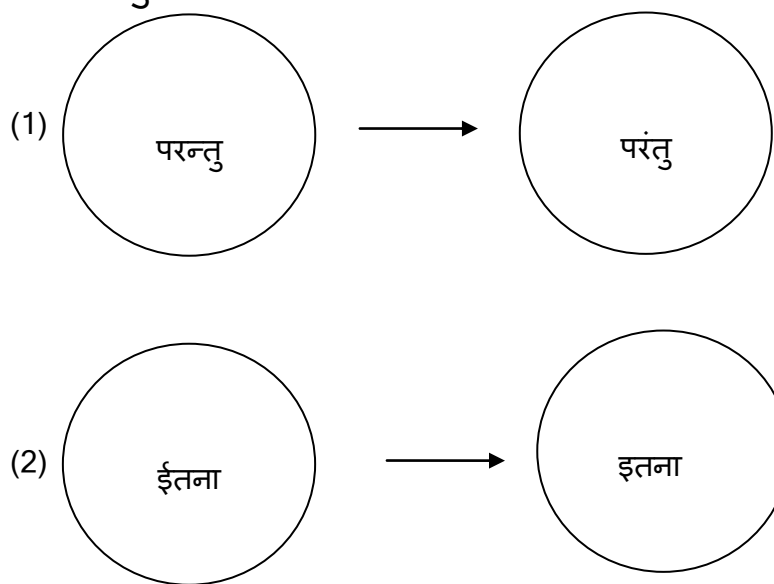
(2) मिठाईनुमा चीजें : मंगली ने अपने आदमी और बड़े बेटे के लिए क्या निकालकर अलग रख दिया।

(3) (i) परिच्छेद में प्रयुक्त अंकों में से किसी एक अंक पर प्रचलित मुहावरा लिखिए : 1

दो कौड़ी का आदमी - तुच्छ या अविश्वसनीय व्यक्ति

(ii) मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लिखिए :

1



(4) 'समाज में स्थित गरीबी' दूर कराने के उपायों को लगभग 8 से 10 पंक्तियों में लिखिए।

2

आज भी विश्व के कई देश हैं जो गरीबी की समस्या से जूझ रहे हैं इसके कई कारण हैं उनमें जनसँख्या भी एक अहम् मुद्दा है इसके कारण देश में उत्पादन कम और मांग ज्यादा हो जाती है जिसके परिणाम स्वरूप गरीबी बढ़ती जाती है समाज में गरीबी को दूर करना है तो बेकारी को दूर करना आवश्यक है और इसके लिए सरकार को सभी रोजगार परक शिक्षा की ओर ध्यान देना होगा लोग न केवल शिक्षित हो बल्कि उसके साथ किसी-न-किसी हुनर में पारंगत हो जिससे शिक्षित होने के बाद वे आसानी से रोजगार पा सकें या स्वयं अपना व्यवसाय शुरू करके अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर सकें। शिक्षित होने से सभी को यदि रोजगार मिले तो सभी इस गरीबी की समस्या से निजात पा लेंगे।

सरकार को छोटे और लघु उद्योगों को बढ़ावा देना चाहिए जिसके अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिले। सरकार को चाहिए कि वे आर्थिक रूप से इन लघु उद्योगों को सहायता प्रदान करें और समाज गरीबी की समस्या से मुक्त हो सके।

(ग) (1) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 4

(i) उत्तर लिखिए : 1

ऋषि-मुनियों की नज़र में चोर की परिभाषा।

उत्तर : ऋषि-मुनियों ने अनुसार बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुतः चोर है।

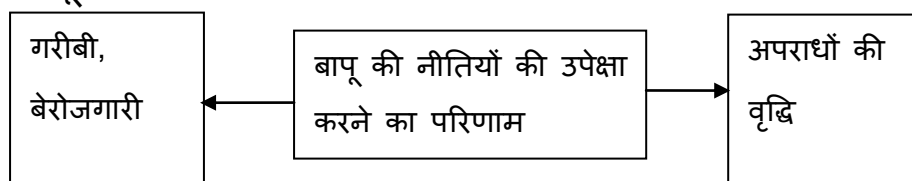
(ii) उचित विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए :

महात्मा गांधी का समस्त जीवनदर्शन श्रम-सापेक्ष था।

(अर्थ-सापेक्ष/श्रम-सापेक्ष/कर्म-सापेक्ष)

(3) आकृति पूर्ण कीजिए

1



महात्मा गांधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वे प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि-मुनियों ने कहा है - बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुतः चोर है। महात्मा गांधी का समस्त जीवनदर्शन श्रम-सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता है कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो रहा है और न अपराधों की वृद्धि हमारे वश की बात हो रही है।

(3) 'मनुष्य के जीवन में श्रम का महत्व' विषय पर अपने विचार 8 से 10 पंक्तियों में लिखिए।

2

परिश्रम का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। मनुष्य परिश्रम के द्वारा कठिन से कठिन कार्य सिद्ध कर सकता है। परिश्रम अर्थात् मेहनत के ही द्वारा

मनुष्य अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। हर मानव की कुछ इच्छाएँ व आवश्यकताएँ होती हैं। वह सुख शान्ति की कामना करता है, दुनिया में नाम की इच्छा रखता है। किन्तु कल्पना से ही सब कार्य सिद्ध नहीं हो जाते, उसके लिये हमें कठिन परिश्रम का सहारा लेना पड़ता है।

विभाग 2 : पद्य

16

2. (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

8

(1) (i) उत्तर लिखिए :

1

जिद पूरी न होने पर कृष्ण करेगा

न तो वे सफ़ेद गाय का दूध पीएँगे

न ही अपनी चोटी को गूँथवाएँगे

(ii) पद्यांश में प्रयुक्त शरीर के दो अंगों के नाम :

1

(1) सिर

(2) उर (हृदय, वक्ष)

मैया मैं तो चंद खिलौना लैहों।

धौरी को पी पाँ न करिहों, बेनी सर न गुथैहों।

मोतिन माल न धरिहों उर पर झंगुली कंठ न लैहों।

जैहौ लोट अभी धरनी पर तेरी गोद न ऐहों।

लाल कहैहों नंदबाबा को तेरो सुत न कहैहों।

कान लाय कछु कहत जसोदा दाऊहिं नाहिं सुनैहों।

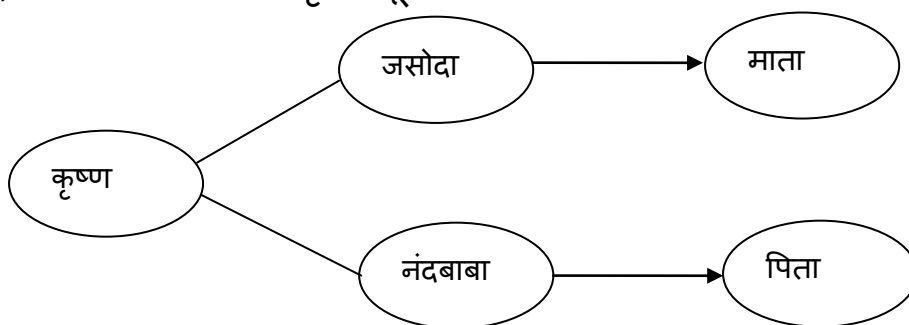
चंदा हूँ ते अति सुंदर तुझे नवल दुल्हैया ब्यैहों।

तेरी सौंह मेरी सुन मैया हों अब ही ब्याहन जैहों।।

सूरदास सब सखा बराती नूतन मंगल गैहों।

(2) (i) संबंध पहचानकर कृति पूर्ण कीजिए :

1



(ii) सही शब्द चुनकर वाक्य फिर से लिखिए :

1

(1) जसोदा कृष्ण को दुल्हा/दुल्हन लाने की बात करती है।

उत्तर : जसोदा कृष्ण को दुल्हन लाने की बात करती है।

(2) श्रीकृष्ण नंद बाबा के लाल / लाली कहलाएँगे।

उत्तर : श्रीकृष्ण नंद बाबा के लाल कहलाएँगे।

(3) (i) शब्दों के लिंग पहचानिए :

(1) गोद - स्त्रीलिंग

(2) सुत - पुल्लिंग

(ii) क्रियाओं के सरल हिंदी में अर्थ लिखिए :

(1) न करिहौं - नहीं करूँगा

(2) न ऐहौं - नहीं आऊँगा

(4) उपर्युक्त पद्यांश की पहली चार पंक्तियों का सरल हिंदी में भावार्थ लिखिए। 2

उत्तर : प्रस्तुत दोहा कृष्णभक्ति धारा के कवि सूरदास द्वारा लिखित है।

प्रस्तुत दोहे में बालक कृष्ण अपनी माँ से चंद्रमा की माँग करते हैं।

वे अपनी माँ से कहते हैं कि जब तक वे उन्हें चाँद रूपी खिलौना

लाकर नहीं देती तब तक न तो वे सफ़ेद गाय का दूध पीएँगे और न

ही अपनी चोटी को गूँथवाएँगे।

(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

8

(1) उत्तर लिखिए :

1

(i) देश की बालकों से माँग

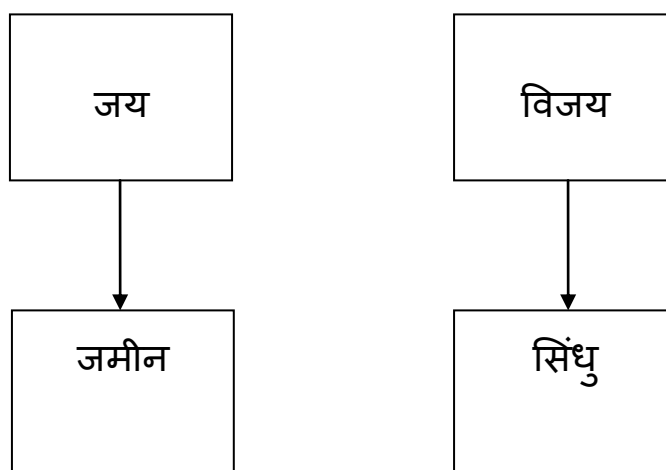
(1) कुर्बानी, बलिदान

(2) सीमा रक्षा की जिम्मेदारी

(ii) कृति पूर्ण कीजिए :

1

जय, विजय लिखने के स्थान -



देश माँगता कि खून से रंगा गुलाब दो,
तुम उठो सिपाहियो ! शत्रु को जवाब दो,
झूम-झूमकर मलो युद्ध के गुलाल को
शूरवीर बालको !

थाम लो सँभालकर देश की मशाल को !
दूर तक जमीन पर शानदार जय लिखो,
तुम विशाल सिंधु पर खून से विजय लिखो,
तोड़ दो पिशाच के हरेक जाल को।

(2) सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए :

2

(i) कवि ने बालकों को थामने के लिए कहा है देश की मशाल को

(देश की ज्योता को / देश की ज्योत को / देश की मशाल को)

(ii) अब पिशाच के जाले को तोड़ने की जिम्मेदारी शूरवीर बालकों की है

(शूरवीर बालकों की है / युवकों की है / कवि की है)

(3) (i) पद्यांश में प्रयुक्त विरुद्ध अर्थ के शब्द लिखिए : 1

(1) आसमान × जमीन

(2) लघु × विशाल

(ii) पद्यांश में आए विरामचिह्नों के नाम लिखिए : 1

(1) अल्प विराम

(2) पूर्ण विराम

(4) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। 2

कवि नई पीढ़ी के बालकों में देश के उज्ज्वल भविष्य की अनंत संभावनाएँ देखता है। कवि चाहता है कि यह पीढ़ी कुछ ऐसे अनुकरणीय कार्य करें जो आने वाली पीढ़ी के लिए मिसाल बन सकें। कवि यह भी चाहता है कि आज के बालक समाज में व्याप्त गरीबी, शोषण असमानता आदि के अंधकार को दूर कर समानता, न्याय, सच्चाई आदि के प्रकाश को जन-जन तक पहुँचाएँ। अपनी लगन और मेहनत से सदैव उत्तम कार्य करें। इसप्रकार कवि ने देश के बालकों को देश को नई दिशा देने, अनुकरणीय कार्य करने और देश की रक्षा की जिम्मेदारियाँ सौंपी हैं।

विभाग 3 : पूरक पठन

4

3. संजाल पूर्ण कीजिए :

2

बेसिल		सेक्रेड बेसिल
	परिच्छेद में प्रयुक्त तुलसी के विविध नाम	
ओसिमम सैक्टम		बसिलिकोन

हिन्दुस्तान में तुलसीदास भी प्रसिद्ध हैं और तुलसी का बिरवा भी, बल्कि अगर यों कहें कि यहाँ जनजीवन में तुलसी का पौधा बहुत महत्त्वपूर्ण है तो अत्युक्ति न होगी। अधिकांश हिंदू घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है, जिसकी स्त्रियाँ पूजा करती हैं। ग्रामीण या आम भाषा में लोग इसे तुलसा भी कहते हैं। इसी तुलसी के संबंध में विशेष बात यह है कि हिंदू धर्म में ही नहीं, ईसाई धर्म में भी इसे बहुत पवित्र माना गया है। अंग्रेजी में इसे 'बेसिल' या 'सेक्रेड बेसिल' यानी पवित्र तुलसी कहते हैं। और इसीलिए पवित्रता का बोध कराने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक नामकरण में जो कि लैटिन भाषा में होता है, इसे 'ओसिमम सैक्टम' कहा गया है। अंग्रेजी का बेसिल शब्द ग्रीक भाषा के 'बसिलिकोन' शब्द से व्युत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ है राजसी।

- (2) 'वन औषधि का महत्त्व' पर अपने विचार लिखिए। 2
- प्राचीन काल से ही वन-औषधिया का मनुष्य के जीवन में विशेष महत्व रहा है। यह मानव जीवन के लिए प्रकृति के अनुपम उपहार हैं। नीम, बबूल, तुलसी, आँवला व शमी आदि वृक्षों का औषधि के रूप में विशेष महत्व है। आज भी छोटी - मोटी बीमारियों के लिए हम इन औषधियों पर निर्भर रहते हैं।

विभाग 4 : व्याकरण 10

4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

- (1) (i) शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए : ½

सुसज्जित - वह एक सुंदर नगरी के रूप में सुसज्जित थी।

- (ii) अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए : ½

यह क्या गोल-माल है?

यह - अव्यय

- (2) वाक्य शुद्ध करके लिखिए : 1

आपका चिंता किस बात का है।

आपको चिंता किस बात की है?

- (3) सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए : 1

वाणी से मित्रता भी की जाती है।

- जाती - जाना
- (4) प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए : 1
भूलना - भुलाना - भुलवाना
- (5) (i) अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1
एकाएक - एकाएक निगाह ऊपर उठी तो मैंने उन्हें रोते हुए देखा।
(ii) अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए : 1
उफ् ! कितनी संपन्न है यह दुनिया।
उफ् ! - विस्मयादिबोधक अव्यय
- (6) काल परिवर्तन कीजिए : 2
विनायक बाबू कुर्सी पर बैठ जाते हैं।
(i) पूर्ण भूतकाल - विनायक बाबू कुर्सी पर बैठ गए थे।
(ii) सामान्य भविष्यकाल - विनायक बाबू कुर्सी पर बैठ जाएँगे।
- (7) (i) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1
मन न लगना - अर्थ - रुचि न होना
आज-कल सोहन का पढ़ाई में मन ही नहीं लगता।
(ii) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए : 1
(सिर झुकाए बैठना/ पैर पकड़ना)
रोजी ने अपनी गलती होने पर पिताजी से क्षमा याचना की।
रोजी ने अपनी गलती होने पर पिताजी के पैर पकड़ लिए।

सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

5. (1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए : 5

‘अवंतिका स्पोर्ट्स अँकडमी’, पंचवटी, नाशिक द्वारा आयोजित राज्य बॅडमिंटन प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु दिलीप/दीपा कुलकर्णी, शिवाजी रोड, पुणे - 400005 से व्यवस्थापक के नाम पत्र लिखता/लिखती है।

दिलीप कुलकर्णी,
शिवाजी रोड,
पुणे - 400 005
दिनांक : - /- /-

सेवा में,
माननीय स्पोर्ट्स शिक्षाधिकारी,
‘अवंतिका स्पोर्ट्स अँकडमी’,
पंचवटी,
नाशिक।

विषय - राज्य बॅडमिंटन प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु आवेदन।
महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं दिलीप कुलकर्णी, न्यू इंग्लिश स्कूल, पुणे का छात्र हूँ। मैं अपने विद्यालय में होने वाली बॅडमिंटन प्रतियोगिता में हर वर्ष प्रथम आता हूँ इसी से प्रेरित होकर मैं ‘अवंतिका स्पोर्ट्स अँकडमी’ द्वारा आयोजित राज्य बॅडमिंटन प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए आवेदन पत्र लिख रहा हूँ।

अतः आपसे प्रार्थना है कि आप शीघ्र ही मुझे इस प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान करें।

इसके लिए मैं आपका अति आभारी रहूँगा।

कष्ट के लिए क्षमा।

धन्यवाद।

भवदीय,
दिलीप कुलकर्णी।

प्रति,	टिकट
माननीय स्पोर्ट्स शिक्षाधिकारी, अवंतिका स्पोर्ट्स अॅकडमी, पंचवटी, नाशिक।	
प्रेषक, दिलीप कुलकर्णी, शिवाजी रोड, पुणे - 400005	

अथवा

सुमन/सुमंत राजे, प्रभात रोड, औरंगाबाद से मा. व्यवस्था पक, अजब बुक डिपो, नाशिक को पत्र लिखकर शालोपयोगी साहित्य की माँग करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

सुमन राजे,
प्रभात रोड,
औरंगाबाद।
दिनांक : - - -

मा. व्यवस्थापक,
अजब बुक डिपो,
नाशिक।

विषय - अध्ययन के लिए शालोपयोगी साहित्य की पुस्तकें मँगाना।
महोदय,

आपका सूचीपत्र प्राप्त हुआ। धन्यवाद!

मैंने आपकी पुस्तकों की सूची देखी जिसमें से मैं कुछ पुस्तकों का अध्ययन करना चाहती हूँ। इसीलिए मुझे निम्नलिखित पुस्तकें मँगानी हैं। यह प्राप्त होते ही ये पुस्तकों ऊपर लिखें पते पर वी.पी.पी. द्वारा भेजने की कृपा करें।

आपके नियमों के अनुसार पेशगी के रूप में तीन सौ रुपये का पोस्टल ऑर्डर इस पत्र के साथ भेजा है। शेष रकम की वी.पी.पी. कर दें, जो यहाँ पहुँचते ही छुड़ा ली जाएगी।

	पुस्तकों के नाम	लेखक	प्रतियाँ
1.	गोदान	प्रेमचन्दजी	1
2.	साकेत	मैथिलीशरण गुप्त	1
3.	मानसरोवर भाग 2	प्रेमचन्दजी	1

भवदीय,
सुमन राजे।

<p>प्रेषक, सुमन राजे, प्रभात रोड, औरंगाबाद।</p>	<p>प्रति, मा. व्यवस्थापक, अजब बुक डिपो, नाशिक।</p> <p>टिकट</p>
---	--

- (2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए :

5

शेखर एक छोटा लड़का _____ माँ के साथ झोंपड़ी में रहना _____ बरसात के दिन _____ आँधी और तूफान आना _____ रेल की पटरी उखड़ जाना _____ शेखर की नजर में आना _____ रेलगाड़ी आने का समय होना _____ लाल कमीज पकड़कर पटरी पर खड़ा रहना _____ रेल रुकना _____ यात्रियों द्वारा भला-बुरा कहना _____ ड्राइवर का देखना _____ शेखर के कारण यात्रियों की जान बचना _____ राष्ट्रपति द्वारा स्वर्ण पदक।

रेल पटरी के पास एक झोंपड़ी में शेखर अपनी माँ के साथ रहता था। एक दिन बरसात की ऋतु में बहुत ज़ोरों की बरसा होने लगी। आँधी और तूफान आने लगे तब शेखर अपनी झोंपड़ी पर प्लास्टिक ढकने बाहर निकला तभी अचानक उसकी नज़र रेल की पटरी पर पड़ी और उसने देखा की पटरी उखड़ गई है। उसे दूर से आती गाड़ी की आवाज़ सुनाई दी। वह सोचने लगा क्या करे तब अचानक उसे कुछ सुझा और उसने पहनी हुई लाल कमीज को निकाल कर एक डंडी में बाँध दिया और पटरी पर खड़े रहकर हिलाने लगा। ड्राइवर ने लाल झंडा देख गाड़ी रोक दी। यात्रियों को पहले उस पर गुस्सा आया और रेल रोकने के लिए भला-बुरा कहने लगे परंतु जब उन्हें सच का पता चला तब सबने उसकी सूझ-बूझ की तारीफ़ की। शेखर के कारण यात्रियों की जान बचाने के लिए उसे राष्ट्रपति द्वारा स्वर्ण पदक का पुरस्कार दिया गया।

- (3) गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हों :

5

ऐसा माना जाता है कि संगीत का प्रभाव औषधियों से कम नहीं है। एक शल्य-क्रिया के बाद किसी मरीज ने संगीत के चमत्कार का वर्णन किया। उसने बताया कि स्वास्थ्य लाभ करते समय, उसने संगीत खूब सुना। वह कभी-कभी इसमें इतना खो जाता था कि वह अपनी दर्द निवारक गोलियाँ

लेना भूल जाता था। संगीत शांतिदायक तथा मधुर होना चाहिए। कई बच्चे जन्म से ही बात नहीं कर सकते अथवा ज्यादा हिल-डुल नहीं सकते। संगीत का इतना बड़ा प्रभाव है कि ये लोग बोलने लगे तथा संगीत की ताल पर उनके हाथ-पैर का हिलना-डोलना शुरू हुआ। इस तनावपूर्व दुनिया में संगीत के प्रभाव को नकार नहीं सकते।

- (1) संगीत के प्रभाव की तुलना किससे की गई थी?
- (2) शल्य-क्रिया के बाद मरीज ने किसका वर्णन किया?
- (3) जो बच्चे जन्म से ही बात नहीं कर सकते थे उन पर संगीत का क्या प्रभाव हुआ?
- (4) संगीत कैसा होना चाहिए?
- (5) तनावपूर्ण दुनिया में किसके प्रभाव को नकार नहीं सकते?

6. (1) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 60 से 80 शब्दों में प्रसंग लेखन कीजिए :

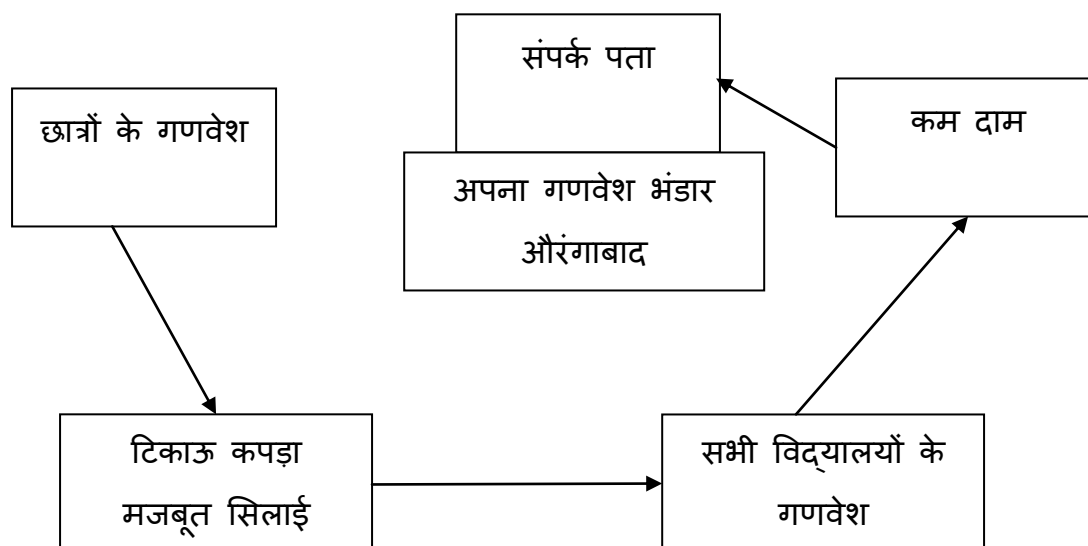
5

मैं एक दिन घूमते हुए नदी किनारे चला गया। वहाँ मैंने देखा कि कल-कारखानों से दूषित पानी छोड़ा जा रहा था, महिलाएँ कपड़े धो रही थीं, लोग गाड़ियाँ धो रहे थे, यह नदी की अवस्था मुझे दिखाई दी। ...

मुझे लगा जैसे नदी रो रही है और हमें कह रही है कि रोक लो इस विनाश को जल ही जीवन है जानते हुए भी हम जल-प्रदूषण क्यों कर रहे हैं। स्वस्थ जीवन जीने के लिए शुद्ध जल बहुत आवश्यक है। केवल पीने के लिए ही नहीं रोजमर्रा कि अनेक जरूरतों के लिए हमें पानी की आवश्यकता होती है इसलिए ये हमारा कर्तव्य है कि हम जल कि बर्बादी को रोकें।

(2) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :

5



अपना गणवेश भंडार

उत्तम गणवेश चाहों पाना,

तो अपना गणवेश भंडार ही आना

कम दाम में मजबूत कपड़ा ओर सिलाई पाना ,

अपना गणवेश भंडार ही आना

संपर्क पता

अपना गणवेश भंडार औरंगाबाद

(3) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए (लगभग 80 से 100 शब्दों में) : 5

(i) किसान की आत्मकथा

हम किसान हर देश का आधार स्तंभ होते हैं। त्याग और तपस्या का दूसरा नाम है - 'किसान'। हम पर ही देश की आर्थिक व्यवस्था टिकी होती है। विश्व का समस्त आनन्द, ऐश्वर्य और वैभव हमारे कारण ही आप सब भोग पाते हैं। एक देश के प्रत्येक व्यक्ति का जीवन किसानों पर निर्भर करता है।

हम किसान सेवा, त्याग व परिश्रम की सजीव मूर्ति हैं। हमारी सरलता, शारीरिक दुर्बलता, सादगी एवं गरीबी हमारे सात्विक जीवन को प्रकट करती है। हम स्वयं न खाकर दूसरों को खिलाते हैं। हम स्वयं न पहनकर संसार की ज़रूरतों को पूरा करते हैं। परन्तु हम किसान खुद अपनी जमीन के मालिक नहीं हैं, इसके कारण हमें हर तरह के शोषण का सामना करना पड़ता है। साहूकारों के हाथों का खिलौना बनना किसानों की मजबूरी है। किसान यदि ट्रैक्टर, जनरेटर, खरीदने, पशु खरीदने या किसी अन्य वजहों से बैंकों से कर्ज लेना चाहे तो उसके लिए इतनी लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है कि किसानों को साहूकारों से अधिक सूद अदा करने की कीमत पर कर्ज लेना ज्यादा मुनासिब लगता है।

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह जरूरी है कि गाँवों में बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ। गाँवों में बिजली पहुँचे, सड़क बने, सिंचाई की सुविधाएँ बढ़ें तो किसानों को खेती करना आसान रहेगा। किसान समाज का सच्चा हितैषी है। यदि वह सुखी है, तो पूरा देश सुखी बन सकता है क्योंकि किसानों की खुशहाली उन्नति व समृद्धि में पूरे देश की समृद्ध, उन्नति, खुशहाली छिपी है।

(ii) मनोरंजन के आधुनिक साधन।

जिस प्रकार मनुष्य को शरीर के लिए हवा, पानी भोजन जैसी मूलभूत वस्तुओं की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार मनुष्य को अपने मन को स्वस्थ रखने के लिए मनोरंजन की आवश्यकता होती है। आदिकाल से ही मनुष्य अपने मनोरंजन के भिन्न-भिन्न साधन खोजता रहा है। पहले मनुष्य मनोरंजन के लिए गीत-संगीत, नौटंकी, खेल, सर्कस, यात्रा आदि का सहारा लिया करता था। समय के परिवर्तन से भी मनोरंजन के साधनों में बदलाव आया है। आज वैज्ञानिक युग में मनुष्य के लिए मनोरंजन के साधनों की कोई कमी नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति की रुचि भिन्न प्रकार की होती है। अंतः वह अपनी रुचि के अनुसार ही मनोरंजन के साधनों की खोज करता रहता है आज मनुष्य के लिए घर और बाहर दोनों ही जगह मनोरंजन के अत्याधुनिक साधन उपलब्ध है। आज क्रिकेट, फूटबॉल, टेनिस, बॉलीबाल, बैटमिंटन, तैराकी, घुड़सवारी आदि न जाने कितने ही खेलों से न केवल अपना मनोरंजन कर सकते और साथ ही अपने सेहत को भी अच्छा रख सकते हैं।

घर बैठकर भी वो शतरंज, कैरम अदि खेलकर अपना मनोरंजन कर सकता है और आज जैसे इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध होने से तो घर बैठकर ही अनेक मनोरंजक खेल खेल सकते हैं और कुछ खेल तो ऐसे है जहाँ आप अपने घरों में ही बैठे रहते हैं परन्तु आप ऑनलाइन ग्रुप सदस्य बनाकर एक साथ मिलकर भी कई खेल खेल सकते हैं। इस प्रकार से यदि देखा जाए तो सूचना क्रान्ति के आने से आज मनोरंजन के अनेक साधन सहज और सरल रूप से हमारे लिए उपलब्ध हैं।